# दुधाधारियां पौनाहारियां

दुधाधारियां पौनाहारियां तूने कैसी अलख जगाई,
वाजा मारे रत्नों माई,

साद केहड़े दा चेला बनया वे किहने तेरे हथ च कम्न्डली फडाई,
कनी मुंद्रा ते हथ विच चिमटा वे बोल किहने गल तेरे सिंगी पाई,
दुधाधारियां पौनाहारियां किथे जा बैठा धुनी लाई,
वाजा मारे रत्नों माई,.....

बाहरा साल दियां रोटियां तू साम्ब रखियाँ मार चिमटा तू लस्सी भी दिखाई,
बाहरा साल गुजारे बाहरा घड़ियाँ दे बदले कहंदा मुकियाँ कर्ज मेरी माई,
दुधाधारियां पौनाहारियां आन गाऊया भी दें दुहाई
वाजा मारे रत्नों माई,.....

मोर दी सवारी चड उड़ गया बाबा इक लांग पुच बड़ेया गुफा विच,
ममता दी मारी रोवे माँ एह विचारी बस तू ही रतनो दे दिल विच,
दुधाधारियां पौनाहारियां सुनी पई तेरी पिंड शाहतलाई ,
वाजा मारे रत्नों माई,.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10288/title/dhudhariyan-paunahariyan-tenu-kaisi-alkh-jagaai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |